Economics

B.A. Part II (Hons)

Paper - 4

Module - 2

Manjari Nath - Lecture No - 49

Gains from Trade

व्यापार से लाभ :- व्यापार से लाभ से अभिप्राय उन लाभों तथा वस्तुओं की वृद्धि से है जो एक देश अन्य देशों के साथ व्यापार करने से प्राप्त करता है। इसका अर्थ यह भी है कि एक देश के उपभोग में वृद्धि हो रही है जो उसे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार द्वारा वस्तुओं के विनिमय और उत्पादन में विशिष्टीकरण के कारण प्राप्त होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का मूल आधार ही है व्यापार से लाभ का होना।

Empowering Future with Solar Energy.

Scanned with CamScanner

यदि किसी देश को व्यापार से लाभ नहीं हो तो वह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की ओर अग्रसर नहीं होगा।

विभिन्न क्लासिकल एवं Neo-classical अर्थशास्त्रियों ने व्यापार से लाभ को भिन्न भिन्न प्रकार से परिभाषित किया है। आधुनिक विश्लेषण में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ विनिमय से होने वाले लाभों और सामान्य संतुलन विश्लेषण पर आधारित विशिष्टीकरण से प्राप्त लाभों से सम्बद्ध है।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से होने वाले संभावित और वास्तविक लाभों के बीच भेद है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से संभावित लाभ दो देशों में दो वस्तुओं को उत्पादित करने का घरेलू लागत अनुपातों में अन्तर है। यदि दो वस्तुएँ X और Y हैं और दो देश A और B हैं तो संभावित लाभ =

$$G_P = \left[\frac{C_x}{C_y}\right]_A - \left[\frac{C_x}{C_y}\right]_B$$

G_P = संभावित लाभ

C_x = वस्तु-x की प्रति इकाई माँग

C_y = वस्तु-y की प्रति इकाई माँग

A- देश A

B- देश B

दूसरी ओर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के वास्तविक लाभ दो व्यापार कर रहे देशों में दो वस्तुओं के कीमतों अनुपातों में अन्तर है। x और y दो वस्तुएँ मानते हुए और A और B दो देश, वास्तविक लाभ को निम्न प्रकार से दिखा सकते हैं:-

$$G_A = \left[\frac{P_x}{P_y}\right]_A - \left[\frac{P_x}{P_y}\right]_B$$

G_A = वास्तविक लाभ

P_x = वस्तु x की प्रति इकाई कीमत

P_y = वस्तु y की प्रति इकाई कीमत

दो देशों के बीच पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत और मुक्त व्यापार होने पर प्रत्येक देश में दोनों वस्तुओं के माँग अनुपात और कीमत अनुपात बराबर होते हैं ताकि

संभावित माल बराबर होता है वास्तविक माल के -

$$\left[\frac{C_x}{C_y}\right] = \left[\frac{P_x}{P_y}\right]$$

$$\therefore G_P = G_A$$

परन्तु यदि टैरिफ और अन्य व्यापार प्रतिबंध हों और वस्तु एवं साधन का बाजार अपूर्ण प्रतियोगिता में हो तो प्रत्येक देश में लागत और कीमत अनुपात बराबर नहीं होंगे। यदि कीमत अनुपात लागत अनुपात से अधिक होता है तो वास्तविक माल संभावित माल से कम होगा -

$$\left[\frac{P_x}{P_y}\right] > \left[\frac{C_x}{C_y}\right]$$

$$\therefore G_A < G_P$$

चूंकि विश्व बाजार में सदैव अपूर्ण प्रतियोगिता होती है, इसलिए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वास्तविक माल सदैव संभावित माल से कम होता है।

Scanned with CamScanner